>

Title: Regarding reported incident of conversion in Uttar Pradesh.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : अध्यक्ष महोदया, हमने एडजर्नमेंट मोशन सदन के सामने रखा है। उत्तर प्रदेश के आगरा में जो घटना घटी है और कन्वर्जन का जो मामला उठा है, उसको चर्चा के रूप में लेने के लिए मैंने आपसे निवेदन किया है। नेता जी, श्री मुलायम सिंह जी और पार्टी के अन्य नेतागण ने आपसे निवेदन किया है, सरकार ने भी इस बात को मान लिया है तो उस पर चर्चा करने के लिए हमें परमिशन दें। हमारे लोग उस पर चर्चा प्रारंभ करेंगे। पार्लियमेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर ने भी उस बात को माना है। वह चर्चा का विषय इसलिए है कि देश में उसके बारे में बहुत-सी बातें उठ रही हैं। अगर आप सभी मीडिया में देखेंगे तो एडीटोरियल से लेकर सारे सोशल मीडिया में भी उसके बारे में चर्चा हो रही है। वह देश के लिए ठीक नहीं है। उससे एक रॉंग मैसेज बाहर भी जाएगा कि भारत जो सेक्यूलर देश है, जिस देश में सहिष्णुता और बंधु प्रेम के लिए बहुत ही उदारता से व्यवहार होता है, ऐसी जगह पर चंद लोग ऐसी घटना कर, देश को बदनाम करने और देश में एक विष बीज डालने का जो प्रयास चल रहा है, उसके बारे में यहां पर चर्चा होनी चाहिए।

आप उसके लिए अनुमति देंगे, यह मैं आपसे आशा करता हूं। जैसा हमने बात की है तो आप भी उसके बारे में कहें। इसलिए आप हमें उसके लिए अनुमति दीजिए।

माननीय अध्यक्ष : क्या सभी सदस्य उस विषय पर बोलेंगे? मुलायम सिंह जी हम आपको बोलने के लिए एलाऊ करूंगी।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) : अध्यक्ष महोदया, आगरा में जहां पर यह घटना हुई है,...(व्यवधान) यह हमारे क्षेत्र से मिला हुआ है। वह हमारे बगल का क्षेत्र है। वहां से लोगों का सब तरह से संपर्क है। इस सदन को उस घटना को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। उसे गंभीरता से इसलिए लेना चाहिए कि कुछ लोगों ने, मैं उन्हें जानता हूँ, मैं उनके दल का नाम नहीं ले सकता हूं, लेकिन अखबारों में आ गया है कि वह कौन है? उससे बड़ी गंभीर स्थिति देश में पैदा हो सकती है। अभी चिंगारी की शुरुआत है। अगर वही घटना धीरे-धीरे कई दूसरे जगहों पर और होगी, तो दंगा हो सकता है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अभी भाषण तो नहीं दे रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मुलायम सिंह जी, दंगा वगैरह मत करो।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप चर्चा मांग रहे हैं, अभी चर्चा कर नहीं रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : मैं यह कहकर इन्हें सावधान करना चाहता हूं। ..*

माननीय अध्यक्ष : प्लीज, ऐसा नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : मैं ऐसी घटना को रोकने के पक्ष में हूं। ...* मैं कह रहा हूं कि यह या इस तरह की किसी भी घटना से दंगा होने का भय रहेगा।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मुलायम सिंह जी, आप मेरी तरफ देखकर बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : मैं जो कह रहा हूं, वही सच्चाई सामने आ रही है।â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप चर्चा मांग रहे हैं तो मांगिए, चर्चा कर रहे हैं तो बात अलग है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : क्या मैंने किसी दल का नाम लिया?...(व्यवधान) आप यूँहीं क्यों खड़े हो गए।...(व्यवधान) आपको समझना चाहिए कि यह बात कितनी गंभीर है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : गणेश जी, आप बैठिए। चर्चा शुरू हो जाएगी तो सबको बोलने का मोका मिलेगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : मैं आपसे कहना चाहता हूं कि जिस तरह की यह मामूली-सी बात है , कोई घटना भी नहीं हुई थी और इससे इतना गंभीर सवाल पैदा कर दिया गया। हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने चर्चा के लिए मौका दे दिया। इससे कोई न कोई समाधान निकलेगा।â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अभी चर्चा नहीं कर रहे हैं, अभी आप मांग कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं पूछकर बात रखूंगी।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : सत्ता पक्ष की तरफ से कोई आश्वासन आए क्योंकि देश में उनकी सरकार है, उनकी पार्टी है। वे भी कोई समाधान निकालेंगे, जिससे देश में एकता, शान्ति बने रहे, भाईचारा कायम रहे। हम लोग इसीलिए सदन में बैठे हैं। क्या हम भाईचारे के खिलाफ हैं? हम भाईचारा चाहते हैं, इसीलिए इस सवाल को उठाया है। इसलिए मेरी सभी से अपील है कि इस विषय पर चर्चा करवा देनी चाहिए और सरकार की तरफ से आश्वासन मिलना चाहिए, क्योंकि सत्ता पक्ष के ही कुछ समर्थकों द्वारा ही यह घटना घटित हुई है।...(व्यवधान) आप सरकार में हैं और सरकार के लोग ही आपकी सरकार को बदनाम कर रहे हैं और बदनाम कर देंगे। हम आपके पक्ष में बोल रहे हैं।...(व्यवधान) अपनी सरकार को किसी तरह बदनामी से बचाइए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अभी हम ज्यादा बात नहीं करें।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप चर्चा शुरू मत कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : ठीक है, सरकार चार-पांच साल चला लीजिए।...(व्यवधान) लेकिन इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे। मैं आज राय दे रहा हूं।...(व्यवधान) सरकार की जिम्मेदारी है और सरकार का कर्तव्य भी। सरकार चाहे तो दंगा-फसाद रोक सकती है और घटना पीड़ितों को सांत्वना दे सकती है।...(व्यवधान) सरकार का कोई आश्वासन आ जाए तो हम उसके लिए सहयोग करेंगे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इसमें सबको बोलने की आवश्यकता नहीं है। आप चर्चा मांग रहे हैं। कोई नोटिस नहीं है फिर भी मैं देख रही हूं कि चर्चा कब शुरू करनी है। सदन मिलकर तय करे, फिर सबको बोलने का मौका दूंगी।

â€¦(व्यवधान)

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी): माननीय खड़गे जी, मुलायम सिंह जी और बाकी सदस्यों ने जिस विषय को उठाया है, चर्चा की मांग हो रही है। इस सदन में चर्चा करने की परम्परा भी रही है। कोई ऐसा विषय नहीं है जिसमें सदन के बाहर विमर्श हो। हम इसी काम के लिए बैठे हैं। आपने मांग रखी है। हम पूरे तौर से तैयार हैं कि जिस विषय को माननीय खड़गे साहब, मुलायम सिंह जी या राजेश जी ने उठाया है, सरकार ने पहले ही स्वीकार कर लिया है कि इस पर वह बड़ी चर्चा के लिए पूरे तौर से तैयार है। हम आपकी बात से सहमत हैं और इस पर पूरे तौर पर चर्चा होनी चाहिए, ऐसा हमारा मानना है और हमारी सहमति है। हम आपके इस आग्रह को स्वीकार करते हैं। मेरा सिर्फ एक ही आग्रह है कि जिस प्रकार सदन में बाकी काम चल रहा है, ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उन्हें बात पूरी करने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजीव प्रताप रूडी : अगर आप यह कहना चाहते हैं कि मनरेगा की चर्चा आपकी चर्चा नहीं है, आपका नोटिस नहीं है, वह देश के हित में नहीं है, उसे स्थगित और समाप्त करके चर्चा की जाए, तो हम उसके लिए भी तैयार हैं।...(व्यवधान) जो कार्य कार्य सूची में अंकित है, हम चर्चा के लिए तैयार हैं। पूरा देश सुन रहा है कि जिस विषय को आपने उठाया है, आपसे हमारी सहमति है। लेकिन वह प्रॉपर नोटिस से आए।...(व्यवधान) आपके पास आपकी तैयारी के लिए पर्याप्त समय हो, हमारे पास भी हमारी तैयारी के लिए पर्याप्त समय हो, हम इस चर्चा लेने के लिए तैयार हैं। आप इसको एडमिट करें, मनरेगा के बाद आप इस पर चर्चा चाहते हैं तो क्या इस देश को बताया जाए कि आप मनरेगा पर चर्चा के लिए तैयार नहीं हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सब के सब एक साथ बोलेंगे। ज्योतिरादित्य जी, अगर कोई सुझाव हो, सुझाव देना है, इस विषय पर चर्चा ...(व्यवधान) नहीं करना है।

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष महादोया, राजीव प्रताप रूडी जी ने जो अभी प्रस्ताव रखा है कि संसद की कार्यसूची के अनुसार हमें चलना चाहिए, ऐतिहासिक तौर पर इनका प्रस्ताव सही है। लेकिन इस सत्र में और पिछले सत्र में हमने कई दिन-प्रतिदिन ऐसे उदाहरण देखें हैं जहां कार्यसूची में तो एक चीज लिखी जाती है और उसी दिन सरकार के द्वारा उस कार्यसूची को पूरी तरह से परिवर्तित करके दूसरी चीजों को रखा जाता है। ...(व्यवधान) संसद आपकी नीति के आधार पर चलेगा किन्तु यह नहीं चलेगा कि चट भी मेरी और पट भी मेरी। जब आप चाहें तो उस नियम के अनुसार चलें और जब आप न चाहें तो जो भी अपना मामला उठाना चाहते हैं, उसे उठाते जाएं। हमारा दुबारा आपसे अनुरोध है, संसदीय कार्य मंत्री से भी अनुरोध है कि सादगी के आधार पर हम इस चर्चा की शुरूआत करें। मनरेगा और बाकी चीजों की चर्चा बाद में करें। पहले इस पर चर्चा हो।

माननीय अध्यक्ष : चर्चा कब करना है, केवल यही सुझाव देना है। 5

श्री सुल्तान अहमद (उलुबेरिया) : धर्म परिवर्तन का मामला मैंने हाउस में उठाया था उस समय माननीय प्रधानमंत्री मौजूद थे, सदन के तमाम काम बंद करके इस पर चर्चा हो, पूरा देश देख रहा है कि किस तरह से उत्तर प्रदेश में अभी दंगा की बात मुलायम सिंह जी ने कही तो लोग नाराज हो गए। लेकिन केन्द्र सरकार के अनुसार देश में एक साल में साढ़े छह सौ दंगे हुए हैं। इसीलिए यह सद्भावना की आवाज, संदेश पूरे देश में जाए, पार्लियामेंट कह रहा है कि यह काम न करें, यह चर्चा होनी चाहिए, अभी होनी चाहिए।

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही अलार्मिंग सिचुएशन है। मुल्क बहुत खतरे में है। ...(व्यवधान) ।

माननीय अध्यक्ष : बातें मत कीजिए, चर्चा कब करना है, एक वाक्य में बताइए।

श्री जय प्रकाश नारायण यादव : आज की कार्यसूची में जो भी कार्य हैं, उसको बंद किया जाए और सबसे पहले धर्मांतरण के सवाल पर अलार्मिंग सिचुएशन देश में है इस पर चर्चा किया जाए, यही मेरा सुझाव है, वरना यह देश हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई भाई-भाई का है, बंट जाएगा। ...(व्यवधान)

श्री मोहम्मद सलीम (रायगंज) : सरकार अक्सर सुओ मोटो ऐसे स्टेटमेंट ले आती है, संविधान के अनुसार हमारे देश में अल्पसंख्यक का ...(व्यवधान)।

माननीय अध्यक्ष : गीते जी, आप कुछ सुझाव देना चाहेंगे?

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : चर्चा कराएंगे, मैं चर्चा के लिए मना नहीं कर रही हूं।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनन्त गंगाराम गीते (रायगढ़) : अध्यक्ष जी, संसदीय कार्य मंत्री ने शुरू में ही सरकार का वक्तव्य स्प्ष्ट किया है कि धर्मांतरण के विषय पर सरकार किसी भी समय, किसी भी वक्त, चर्चा के लिए तैयार है। सरकार की ओर से चर्चा के लिए कोई रुकावट नहीं है, कोई बाधा नहीं है। लेकिन चर्चा हो या न हो इस पर चर्चा करते हुए जो सवाल यहां उठाए गए, जिस पर सदन ने नाराजगी जताई। एक तो दंगे की बात आई, ...(व्यवधान) दूसरी आई, देश खतरे में है। इस वक्तव्य को किस दिशा में लेना चाहते हैं या किस दिशा में जाना चाहते हैं। इसीलिए इस आप जिस तरीके से चर्चा करवाना चाहते हैं, चर्चा कराइए, यह आपका अधिकार है, आप नोटिस लीजिए, चर्चा कीजिए, उस पर खूब चर्चा हो। â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सब मेरी एक बात सुनिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप भी वही बात कहेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री तारिक अनवर (कटिहार): अध्यक्ष महोदया, अभी खड़गे जी, मुलायम सिंह जी और अन्य सभी लोगों ने आपसे मिलकर सर्वसम्मति से निवेदन किया है कि यह मामला बहुत गंभीर है। हमारा जो बुनियादी ढांचा है, उस पर आघात हो रहा है, इसलिए इस पर चर्चा करना जरूरी है। हमारे जो भी कार्यक्रम हैं, उन्हें स्थगित करके आप इस पर चर्चा शुरू करायें। ...(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : अध्यक्ष महोदया, मैंने एडजर्नमैंट मोशन इसलिए नहीं दिया था कि कल क्या हुआ? रात को कुछ चैनल्स पर...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप दूसरे चैनल्स की बात मत कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन : मैं वह नहीं कहूंगा। ...(व्यवधान) मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि रात में दो संस्थाओं द्वारा कौम के नाम पर धमकी दी गयी। ...(व्यवधान) मेरे लिए गंभीर चुनौती यह थी ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप केवल इतना ही बोलिए कि चर्चा करनी चाहिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन : मैं इस विषय पर गंभीरता से चर्चा चाहता हूं। देश को बचाने ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं आपकी बात समझ गयी हूं, इसलिए कृपया करके आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बशीर जी, आपका मामला अलग है। जरा हाउस शांत हो जाये तो वह विषय भी मैं उठाने दूंगी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मेरा आप सब लोगों से एक निवेदन है कि मेरे पास अभी ऐसा कोई नोटिस नहीं है कि इस पर किस नियम में चर्चा करें। अगर आप सब मानें तो मेरा एक सुझाव है। माननीय सदस्य सुबह यहां आकर जीरो ऑवर का नोटिस देते हैं। अभी हम उसे ले लेते हैं और एक बजे आप सभी लीडर्स बैठकर तय कर लें कि दो बजे तुरंत लंच के बाद चर्चा करनी है तो उसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है। उस समय चर्चा शुरू की जा सकती है। आप सब कोई समय तय कर लें।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप एक बजे बैठकर तय कर लें कि तुरंत इस पर चर्चा करनी है तो उस पर मुझे कोई आपत्ति नहीं है। ऐसा किया जा सकता है।

â€¦(व्यवधान)

श्री असादुद्दीन ओवैसी (हैदराबाद) : अध्यक्ष महोदया, आप इस पर दो बजे चर्चा शुरू कीजिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सब मेरे साथ बैठकर तय कर लें।

â€¦(व्यवधान)

श्री असादुद्दीन ओवैसी : अध्यक्ष महोदया, आप दो बजे इस पर चर्चा शुरू कीजिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अभी जिन लोगों ने शून्य काल का नोटिस दिया है, उन्हें हम थोड़ा सा न्याय दें।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सदानंद गौड़ा जी, आपका पेपर ले करना रह गया है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सदानंद गौड़ा जी, आपको पेपर ले करना है।

â€¦(व्यवधान)

12.25 hrs

PAPERS LAID ON THE TABLE--Contd.